सबगुरु डिजिटल मीडिया प्लेटफार्म
फेसबुक पेज लिंक
https://www.facebook.com/sabgurunews/
वेबसाइट लिंक
https://www.sabguru.com/
यूट्यूब चैनल लिंक
https://www.youtube.com/channel/UCCcLf90UP-prqTinNwqUXZg/
English Article Link:
https://www.sabguru.com/en/the-role-of-dopamine-under-standing-the-feel-good-hor-mone/

SABGURU NEWS

RNI TITLE CODE NO. RAJBIL27046

सबगुरु न्यूज

(राष्ट्रीय द्विभाषीय पाक्षिक)

खबरों के लिए स्कैन करें

मो.9887907277 Email ID sabgurunews@gmail.com Website https://www.sabguru.com

सम्पादक - विजय सिंह

वर्ष 2 | अंक 5 | अजमेर, रविवार 25 अगस्त 2024 | मूल्य 5 रुपए | पृष्ठ-4

सम्पादकीय

भारतीय बच्चों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति चिन्ताजनक

भारतीय बच्चों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति चिन्ताजनक है। पिछले कुछ समय से स्कूली बच्चों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी एवं खौफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में बच्चों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। जिस उम्र में बच्चों को पढ़ाई-लिखाई और खेलकूद में व्यस्त रहना चाहिए उसमें उनमें बढ़ती आक्रामकता हिंसा एवं क्रूरता एक अस्वाभाविक और परेशान करने वाली बात है। कई घटनाओं में स्कूल में पढ़ने वाले किसी बच्चे ने अपने सहपाठी पर चाकू या किसी घातक हथियार से हमला कर दिया और उसकी जान ले ली। अमेरिका की तर्ज पर भारत के बच्चों में हिंसक मानसिकता का पनपना हमारी शिक्षा, पारिवारिक एवं सामाजिक संरचना पर कई सवाल खड़े करती है। यह दुष्प्रवृत्ति बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर तो नकारात्मक प्रभाव डाल ही रही है इसे भविष्य में समाज की शांति के लिए बड़ा खतरा भी मानना चाहिए। राजस्थान के उदयपुर के स्कूल में दो छात्रों के आपसी विवाद में चाकू मारने से एक छात्र की मौत भी बच्चों में पनप रहे इसी हिंसक बर्ताव का घिनौना एवं घातक रूप है।

बड़ा सवाल है कि जिन वजहों से बच्चों के भीतर आक्रामकता एवं हिंसा पैदा हो रही है उससे निपटने के लिए क्या किया जा रहा है! पाठ्यक्रमों का स्वरूप, पढ़ाई.लिखाई के तौर-तरीके बच्चों के साथ घर से लेकर स्कूलों में हो रहा व्यवहारए उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों का दायरा, संगति, सोशल मीडिया या टीवी से लेकर उसकी सोच.समझ को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों से तैयार होने वाली उनकी मन स्थितियों के बारे में सरकार, समाजकर्मी एवं अभिभावक क्या समाधान खोज रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगाघ् बच्चों के बस्ते की औचक जांच की व्यवस्था की अपनी अहमियत हो सकती है। मगर जरूरत इस बात की है कि बच्चों के भीतर बढ़ती हिंसा और आक्रामकता के कारणों को दूर करने को लेकर गंभीर काम किया जाए। उदयपुर की घटना के पूरे मामले की पुलिस अपने तरीके से जांच करेगी लेकिन किशोर अवस्था में ऐसी घटना को अंजाम देने के पीछे बच्चे की मानसिकता का पता लगाना भी ज्यादा जरूरी है। तहकीकात स्कूल की व्यवस्थाओं की भी होनी चाहिए कि आखिर बच्चा स्कूल में हथियार लेकर कैसे आ गया। इसमें दो राय नहीं कि किशोरवय में राह भटकने का खतरा ज्यादा रहता है। उम्र के इस पड़ाव पर उनको सही राह दिखाने की जिम्मेदारी परिजन और शिक्षक की ही होती है। आज दोनों ही कहीं न कहीं अपनी जिम्मेदारी से दूर होते नजर आ रहे हैं। स्कूल में केवल किताबी ज्ञान पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है। वहीं अर्थप्रधान दुनिया में माता.पिता के पास बच्चों के साथ बिताने के लिए समय ही नहीं बच पा रहा। मन जो चाहे वही करो की मानसिकता वहां पनपती है जहां इंसानी रिश्तों के मूल्य समाप्त हो चुके होते हैं जहां व्यक्तिवादी व्यवस्था में बच्चे बड़े होते.होते स्वछन्द हो जाते हैं। मूड ठीक नहीं की स्थिति में घटना सिर्फघटना होती है वह न सुख देती है और न दुःख। ऐसी स्थिति में बच्चे अपनी अनंत शक्तियों को बौना बना देता है। यह दकियानूसी ढंग है भीतर की अस्तव्यस्तता को प्रकट करने का। पारिवारिक एवं सामाजिक उदासीनता एवं संवादहीनता से ऐसे बच्चों के पास सही जीने का शिष्ट एवं अहिंसक सलीका नहीं होता। वक्त की पहचान नहीं होती। ऐसे बच्चों में मान.मर्यादा, शिष्टाचार, संबंधों की आत्मीयता, शांतिपूर्ण सहजीवन आदि का कोई खास ख्याल नहीं रहता। भौतिक सुख.सुविधाएं ही जीवन का अंतिम लक्ष्य बन जाता है।

विश्व हिंदू परिषद की मांग, अजमेर ब्लैकमेल कांड के दोषियों को हो फांसी

भीलवाड़ा। विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा है कि अजमेर दुष्कर्म कांड के आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा कम है सरकार को चाहिए कि वे इस मामले में अपील करके मृत्युदंड की मांग करे।

कुमार ने शनिवार को राजस्थान में भीलवाड़ा नगर परिषद स्थित महाराणा प्रताप सभागार में विश्व हिंदू परिषद की स्थापना के 60 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित पुष्टिपूर्ति समापन कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से कहा कि आरोपी अब भी धर्म स्थल से जुड़े हैं और वहां काम कर रहे हैं। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की है कि अजमेर कांड के आरोपियों को फांसी की सजा मिले इसके लिये अच्छे वकीलों के साथ अपील करें। अजमेर में ही सर तन से जुदा नारे लगाना भी जिहादियों का खेल है। कुमार ने वक्फसंपतियों की चर्चा करते हुए कहा कि मुस्लिम समाज की संपत्तियों के लिये अलग कानून है जबकि हिंदू, बौद्ध, ईसाई, जैन समाज के लिए ऐसा कोई कानून नहीं है। उन्होंने सभी समाज के लिए समान कानून बनाने की मांग की। उन्होंने कहा कि जिहादियों का एक वर्ग दुष्कर्म, हत्याए लूट को उचित मानता है ऐसे मामलों की भी जांच होनी चाहिए।

कुमार ने उदयपुर कांड पर सवाल उठाते हुए कहा कि नाबालिग को हथियार किसने दिया चलाने का प्रशिक्षण देने वाला कौन था और इस तरह का वातावरण के लिए उसे तैयार करने की भी गहनता से जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उदयपुर में इस तरह की दूसरी वारदात है। लव जिहाद एवं लैंड जिहाद के अलावा वर्तमान में नाबालिग के जरिये जिहाद चलाकर संगीन अपराधों को अंजाम दिया जा रहा है ताकि नाबालिग को किशोर कानून का फायदा मिले और वे सजा से बच जाएं। यह अपराध का एक नया तरीका है। बंगलादेश के मुद्दे पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि शेख हसीना शरणार्थी है न कि घुसपैठिया।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि वह और उनके पिता भारत के मित्र रहे हैं और उन्होंने आतंकवाद को पसरने नहीं दिया। कुमार ने कहा कि हिंदू महिलाओं से दुष्कर्म, हत्याएं मंदिरों पर हमला करके तोडन घरों और दुकानों पर लूटने की 300 से ज्यादा घटनाएं हुई हैं। उन्होंने कहा कि हमने बांग्लादेश सरकार के सामने तीन मांग रखी जिसमें अल्पसंख्यक समुदाय की सुरक्षा, हिंसा में हुए नुकसान की भरपाई और दोषियों के खिलाफकठोर कार्रवाई की मांग थी, जिसे स्वीकार कर लिया गया। उन्होंने कहा इसके बाद वहां शांति हुई है लेकिन वहां चुनावों के दौरान फिर हिंसा होने की आशंका है।

शिखर धवन ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कहा अलविदा

नई दिल्ली। देश के मशहूर क्रिकेटरों में से एक शिखर धवन ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट दोनों से संन्यास की घोषणा कर दी है। सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक भावनात्मक बयान में धवन ने अपने पूरे करियर में मिले समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होने कहा कि जैसे ही मैं अपनी क्रिकेट यात्रा के इस अध्याय को समाप्त कर रहा हूं मैं अपने साथ अनगिनत यादें और कृतज्ञता लेकर जा रहा हूं। प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद। जय हिंद।

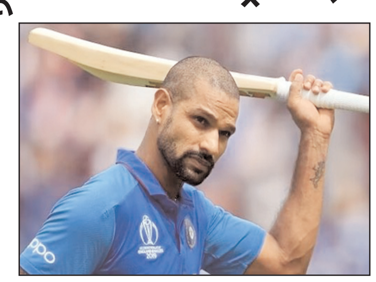

धवन को अक्सर उनकी आक्रामक बल्लेबाजी शैली के लिए गब्बर कहा जाता है। वह एक दशक से अधिक समय से भारतीय टीम में एक प्रमुख व्यक्ति रहे हैं। भारतीय क्रिकेट में उनके योगदान में आईसीसी टूर्नामेंटों में कई मैच जीतने वाले प्रदर्शन शामिल हैं जहां वह अक्सर अग्रणी रन.स्कोरर थे। शीर्ष क्रम में उनकी साझेदारी विशेषकर एकदिवसीय क्रिकेट में कई बार भारत को जीत दिलायी है। बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज ने 2010 में पदार्पण किया और जल्द ही खुद को खेल के सभी प्रारूपों में एक भरोसेमंद बल्लेबाज के रूप में स्थापित कर लिया। इन वर्षों में धवन अपनी निरंतरता शांत व्यवहार और दबाव में अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं। प्रशंसकों साथी क्रिकेटरों और टिप्पणीकारों ने धवन के शानदार करियर और भारतीय क्रिकेट में उनके योगदान का जश्न मनाते हुए सोशल मीडिया पर बाढ़ ला दी है। धवन अपने पीछे एक ऐसी विरासत छोड़ गए हैं जो क्रिकेटरों की आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी। उनके खेल की आक्रामक शैली उनकी खेल भावना और समर्पण के साथ दुनिया भर के प्रशंसकों द्वारा याद किया जाएगा।

मोदी और योगी की तारीफ करने पर पत्नी को दिया तलाक

बहराइच। उत्तर प्रदेश में बहराइच जिले के जरवल रोड क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ करने पर विवाहिता को उसके पति ने तलाक दे दिया। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि जरवल कस्बा के मोहल्ला सराय निवासी महिला मरियम ने एक शिकायती पत्र पुलिस को दिया है जिसमें उसने कहा है कि वह अपने पति जुनैल के साथ अयोध्या घूमने निकली थीं। अयोध्या में चौड़ी-चौड़ी सड़कें, जगह-जगह पर बने हुए गेट और अयोध्या का विकास मरियम को बहुत पसंद आया। मरियम ने इसके लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपने पति से तारीफकर दी।

उन्होने बताया कि पति को योगी-मोदी की तारीफ बिल्कुल पसंद नहीं आई और मरियम के पति ने पहले उसकी पिटाई की और उसके बाद उसे तलाक दे दिया। पुलिस ने इस मामले में पीड़ित महिला ने जरवल रोड थाने में पति ज़ैनुल व अन्य सात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सीबीआई मामले में केजरीवाल को राहत नहीं, सुप्रीम कोर्ट 5 सितंबर को करेगा अगली सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीमकोर्ट ने दिल्ली आबकारी नीति कथित घोटाला मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो की गिरफ्तारी की वैधता को चुनौती देने वाली और इसी मुकदमे में जमानत की मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की दो अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई पांच सितंबर तक के लिए स्थगित कर दी है।न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने उनकी याचिकाओं पर संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद शुक्रवार को कहा कि वह इस मामले में अगली सुनवाई पांच सितंबर को करेगी ताकि जवाबी हलफनामा दाखिल किया जा सके। सुनवाई के दौरान पीठ के समक्ष सीबीआई ने केजरीवाल की याचिकाओं का यह कहते हुए जोरदार विरोध किया कि अगर उन्हें अंतरिम जमानत पर रिहा किया जाता हैए तो वह सबूतों से छेड़छाड़ कर जांच को बाधित कर सकते हैं। शीर्ष अदालत ने 14 अगस्त को सीबीआई को ;दोनों याचिकाओं पर अपना पक्ष रखने का निर्देश देते हुए कहा था कि वह इस मामले में अगली सुनवाई 23 अगस्त को करेगी।केजरीवाल ने दिल्ली उच्च न्यायालय की ओर से पांच अगस्त को अपनी याचिका ठुकरा दिए जाने के बाद शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया है। वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने पीठ के समक्ष तब केजरीवाल का पक्ष रखते हुए दलील दी थी कि प्रवर्तन निदेशालय ;ईडी की ओर से दर्ज मुकदमे में शीर्ष अदालत ने तीन मौकों पर अंतरिम जमानत दी है। उन्होंने दावा किया था कि सीबीआई की ओर से केजरीवाल की गिरफ्तारी एक प्रकार से पहले से तय थीए क्योंकि यह अनुमान था कि ईडी मामले में उन्हें जमानत मिलेगी और वह जेल से रिहा किए जाएंगे। पीठ पर तब सिंघवी की इन दलीलों का कोई असर नहीं पड़ा। पीठ के इस रुख बाद सिंघवी ने मुख्यमंत्री केजरीवाल के स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं का जिक्र करते हुए अगली सुनवाई के लिए नजदीक की तारीख मुकर्रर करने का आग्रह किया। इसके बाद पीठ ने कहा कि वह इस मामले में 23 अगस्त को अगली सुनवाई करेगी।

विपक्ष समाज को विभाजित करने का कर रहा है प्रयास -मदन राठौड़

झुंझुनूं। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा है कि विपक्ष विभाजन की नीति अपनाते हुए जनता को गुमराह करके समाज को विभाजित करने का प्रयास कर रहा है। राठौड ने शनिवार को राजस्थान में झुंझुनूं में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ हुई संगठनात्मक बैठक में सम्बोधित करते हुए कहा कि भाजपा विपक्ष के मंसूबे को कभी भी कामयाब नहीं होने देगी। भाजपा कार्यकर्ता भूखे, प्यासे, कड़ी मेहनत संघर्ष करके बूथों को जिताने का कार्य करते है। ऐसे कार्यकर्ताओं को सिर्फ़सम्मान चाहिए।

उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विश्व में देश का नाम ऊँचा करें एवं राज्य में डबल इंजन की मोदी और भजनलाल सरकार सफ्ल हो। इन कार्यकर्ताओं को राज्य एवं देश में विकास चाहिए। नेता अपनी महत्वाकांक्षाओं पर नियंत्रण रखकर पार्टी के लिए अपना श्रेष्ठ देने वाले कार्यकर्ताओं का सम्मान करें।

राठौड़ ने बांग्लादेश में तख्तापलट के बारे में कहा कि बांग्लादेश में अराजकता की स्थिति है। हिन्दुओं के मंदिर तोड़े जा रहे हैं उन पर अत्याचार हो रहा है। अगर वहां हमारे भाइयों के साथ कुछ ग़लत होता है तो उसकी तकलीफ़हमें यहां होती है। उन्होंने कांग्रेस सहित विपक्षी दलों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि जो लोग हिंदुस्तान की शान एवं सम्मान को चकनाचूर करना चाहते हैंए हमें ऐसे अराजक तत्वों को पनपने से रोकना होगा।राठौड़ ने कार्यकर्ताओं से कहा कि कार्यकर्ता अपने संपूर्ण सामर्थ्य के साथ विधानसभा उप चुनाव में मेहनत करके प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री का कंधा मज़बूत करें। बैठक में भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ राधा मोहन दास अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा ने भगवान श्रीकृष्ण को लेकर बयान दिया। अब अगर उनसे पूछा जाए कि हिन्दू भगवान श्रीराम या श्रीकृष्ण से प्रेरणा नहीं लेगा तो क्या अल्लाह से प्रेरणा लेगा। हम हिन्दू हैं और हमारे मुख्यमंत्री भी सनातन संस्कृति को मानने वाले हैं। अब तुम्हारा मुखिया ही हिन्दू नहीं है तो आप हिंदुओं के लिए कैसे सोचेंगे।उन्होंने कहा कि झुंझुनूं ज़िले की धरती वीरता एवं विद्वता की जननी है। यहां हर घर से वीर सैनिक निकलते हैं जो देश की सेवा एवं सुरक्षा के लिए अपने प्राणों का न्यौछावर करने को सदैव तत्पर रहते हैं। राजस्थान से सेना में भर्ती 80 हज़ार जवानों में से 50 हज़ार सैनिक शेखावटी की धरती से हैं।

अग्रवाल ने वर्ष 1947ए 1961 और 1965 में पाकिस्तान एवं चीन के साथ हुए युद्ध की बात करते हुए कहा कि भारत के सैनिक कम सुविधाओं के साथ लड़े। पाकिस्तान से भारत की कब्जा की गई भूमि ख़ाली भी करवाई लेकिन तत्कालीन कांग्रेस सरकार के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू एवं इंदिरा गांधी ने ली हुई भूमि वापस देकर सैनिकों के बलिदान को व्यर्थ कर दिया।

राजस्थान पुलिस को नहीं थी भिवाड़ी में आतंकी प्रशिक्षण केन्द्र की जानकारी

अजमेर। राजस्थान पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू ने कहा है कि राज्य पुलिस

को भिवाड़ी में प्रशिक्षण केन्द्र की जानकारी नहीं थी और न ही वहां से गिरफ्तार छह आतंकवादियों की गतिविधियों की कोई सूचना थी। साहू प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जोधपुर यात्रा तैयारी सिलसिले में वहां जाने से पहले शुक्रवार को अजमेर रूके। उन्होंने अजमेर रेंज पुलिस महानिरीक्षक जिला कलक्टर तथा पुलिस अधीक्षक से बातचीत की।इस दौरान मीडिया से बातचीत में साहू ने कहा कि दिल्ली पुलिस की भिवाड़ी कार्यवाही में पकड़े गए छह आतंकवादी के ट्रेनिंग सेंटर की राजस्थान पुलिस को जानकारी नहीं थी। दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कार्रवाई से पहले राजस्थान पुलिस की मदद अवश्य मांगी थी।

उन्होंने बताया कि छह आतंकवादियों की गिरफ्तारी के बाद राजस्थान पुलिस सक्रिय है और अब अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ;एडीजी आतंकवाद निरोधक दस्ता ;एटीएस दलबल के साथ पूछताछ में जुटे हैं। साहू ने कहा आतंकी गतिविधियों को राजस्थान की धरती पर कोई जगह नहीं है और आगे राज्य की पुलिस सक्रिय रहकर दिल्ली पुलिस को पूरी मदद करेगी। उन्होंने कहा कि इस मामले में राज्य पुलिस जांच में जुटी है।उन्होंने प्रदेश में वर्तमान में साइबर क्राइम को बड़ी चुनौती बताया और कहा कि साइबर ठगों के खिलाफ पुलिस मुस्तैदी से काम कर रही है ताकि प्रभावी अंकुश बनाया जा सके लेकिन इसके लिए जनता को स्वयं भी जागरूक रहना होगा ताकि साइबर ठगी से बचा जा सके।उन्होंने स्वीकार किया कि प्रदेश में डिजिटल अरेस्ट के मामले 'यादा हो रहे हैंए जिससे हम सबको सामूहिकता से लड़ना होगा। उल्लेखनीय है कि दिल्ली पुलिस ने आतंकी संगठन अलकायदा के बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। गिरफ्तार 11आतंकी में से छह राजस्थान के भिवाड़ी से गिरफ्तार किए हैए जिसकी राजस्थान पुलिस की जानकारी में नहीं थी।

राज्य सरकार कर रही है शहरों का सुनियोजित विकास -भजनलाल शर्मा

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार शहरों के सुनियोजित विकास के लिए कार्य कर रही है और इसके तहत शहरी क्षेत्रों के निवासियों के लिए गुणवत्तापूर्ण जीवन एवं समुचित आर्थिक अवसर उपलब्ध कराने तथा ईज ऑफ अर्बन लिविंग की अवधारणा को साकार करने की दिशा में काम किया जा रहा है।शर्मा शुक्रवार को एक निजी टीवी चैनल द्वारा आयोजित विकसित राजस्थान 2047.नगरीय निकायों के लिए रोडमैप राज्य स्तरीय आमुखीकरण कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार भवन निर्माण के लिए उसका नक्शा बनाना जरूरी है। उसी तरह भविष्य की आवश्यकताओं के मद्देनजर विकास का रोडमैप तैयार करना आवश्यक है।

शर्मा ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित राजस्थान की परिकल्पना साकार करने के लिए हमें शहरों को आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य रोजगार, परिवहन सहित सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए सक्षम बनाना है। उन्होंने कहा कि विकास की इस यात्रा के दौरान प्रकृति के संरक्षण का भी ध्यान रखना होगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के साथ ही नागरिकों को भी रा'य को विकसित बनाने में अहम भूमिका निभानी होगी। सामूहिक जिम्मेदारी की भावना से ही हम जयपुर सहित राजस्थान के दूसरे प्रमुख शहरों को विश्व स्तरीय बनाने का संकल्प साकार कर सकेंगे।

उन्होंने कहा कि हर राज्य के विकास के लिए बिजली और पानी मूलभूत आवश्यकता है इसलिए राज्य सरकार ने अपने कार्यकाल का पहला वर्ष बिजली और पानी के लिए समर्पित किया है। बिजली और पानी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होंगे तो राज्य में कृषि और उद्योगों का विकास होगा। उन्होंने कहा कि राज्य को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए राज्य सरकार ने लगभग 2 लाख 24 हजार करोड़ रुपए के एमओयू किए हैं। इसी प्रकार पानी की आवश्यकता की पूर्ति के लिए ईआरसीपीए यमुना जल समझौता और देवास परियोजना से संबंधित महत्वपूर्ण समझौतों और निर्णयों को मूर्त रूप दिया जा रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि नगर नियोजन की कार्य योजना को मूर्त रूप देने के लिए संबंधित विभागों को आपस में समन्वय के साथ कार्य करना होगा जिससे योजनाओं को समयबद्ध रूप से धरातल पर उतारा जा सके। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की रूपरेखा तैयार करते समय सभी पक्षों से सलाह और सुझाव लेकर सुनिश्चित कार्ययोजना तैयार की जाए और समस्याओं का दीर्घकालीन समाधान निकालें। शर्मा ने कहा कि विकसित राष्ट्र के लिए नागरिकों का बौद्धिक रूप से विकास होना जरूरी है। इसलिए हम बौद्धिक स्तर पर विकसित होते हुए देश और प्रदेश को मजबूत बनाने में अपनी भूमिका निभाएं। हम सब मिलकर एक दिया आप जलाओ एक दिया हम जलाएं की भावना के साथ कार्य करेंगे तो अंधियारा दूर होगा और विकास की राह रोशन होगी।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगरीय विकास राज्यमंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि नगरों के संयोजित विकास के लिए ड्रेनेज सीवरेज, सुगम यातायात, स्वच्छ वातावरण और मूलभूत सुविधाओं सहित सभी क्षेत्रों का विकास आवश्यक है। उन्होंने कहा कि रा'य सरकार की सभी नगरीय निकायों से ये अपेक्षा है कि सकारात्मक सोच के साथ जनता से सुझाव लेकर उनकी समस्याओं का समाधान करें।

दिल्ली पुलिस का सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा, कहा मालीवाल पर हमले के पीछे बड़ी साजिश

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के समक्ष दिल्ली पुलिस ने 13 मई को राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल पर किए गए क्रूर हमले के पीछे बड़ी साजिश का दावा करते हुए आरोपी बिभव कुमार की जमानत याचिका का कड़ा विरोध किया है। दिल्ली उच्च न्यायालय की ओर से 12 जुलाई को जमानत याचिका खारिज करने के आदेश को चुनौती देने वाली बिभव की याचिका पर अपना जवाब दाखिल करते हुए पुलिस ने शीर्ष अदालत के समक्ष यह विरोध दर्ज कराया। पुलिस ने हालांकि कहा कि इसके ;हमले के बाद के दिनों में जिम्मेदार लोक सेवकों द्वारा लिए गए विरोधाभासी सार्वजनिक रुख की भी सही परिप्रेक्ष्य में जांच की जानी चाहिए ताकि यह पता लगाया जा सके कि याचिकाकर्ता के हाथों शिकायतकर्ता पीड़ित पर किए गए क्रूर हमले के पीछे कोई बड़ी साजिश थी या नहीं।

पुलिस ने कहा कि अपराध के तुरंत बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और याचिकाकर्ता काफी समय तक साथ थे। याचिकाकर्ता बिभव केजरीवाल का करीबी और उनके सरकारी आवास पर हुए इस कथित हमले का आरोपी है। हलफ्नामे में पुलिस ने यह भी कहा कि अपराध के बाद के दिनों में घटना के संबंध में पार्टी के दो जिम्मेदार व्यक्तियों ने भी पूरी तरह से अपना रुख बदल लिया था। पुलिस ने कहा कि यह बहुत गंभीर मामला हैए क्योंकि पीड़िता दिल्ली की सत्ताधारी आम आदमी पार्टी की मौजूदा सांसद है। उन्हें बहुत संवेदनशील स्थान ;मुख्यमंत्री आवासद्ध पर बेरहमी से पीटा गया। पुलिस ने अदालत के समक्ष कहा कि पीड़िता काफी समय तक दिल्ली महिला आयोग ;डीसीडब्ल्यू की अध्यक्ष रहीं। उन पर इस तरह का हमला समाज में महिलाओं की सुरक्षा पर संदेह पैदा करता है। पुलिस ने यह भी कहा कि इस घटना का आम जनता के मन पर गहरा असर पड़ा है और उक्त मामले में किसी भी निर्णय का जनता के मन पर व्यापक असर पड़ेगा। याचिकाकर्ता पर आरोप है कि उसने 13 मई को यहां केजरीवाल के आधिकारिक आवास पर मालीवाल पर हमला किया था। उसके खिलाफ16 मई को भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज होने के बाद उसे 18 मई को उसे गिरफ्तार किया गया था। आरोपी के खिलाफमहिला को निर्वस्त्र करने के इरादे से उस पर आपराधिक बल का प्रयोग करनेए हमला करने या आपराधिक हत्या करने का प्रयास करने से संबंधित धाराएं लगाई गई हैं।

नेपाल में भारतीय यात्रियों को लेकर जा रही बस नदी में गिरी, 27 की मौत

काठमांडू। नेपाल के गंडकी प्रांत में शुक्रवार को 40 से अधिक भारतीयों को लेकर जा रही बस के दुर्घटनाग्रस्त होकर मर्सियांगडी नदी में गिर जाने से कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।स्थानीय अखबार काठमांडू पोस्ट ने बताया कि पुलिस ने प्रारंभिक जांच के बाद बताया कि तनहुन जिले के अंबु खैरेनी में हादसे का शिकार हुई भारतीय नंबर प्लेट वाली यह बस पोखरा से काठमांडू जा रही थी।

पुलिस ने अनुमान लगाया है कि बस में करीब 40 यात्री सवार थेए हालांकि अब तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की जा सकी है। अन्य यात्रियों की स्थिति अभी स्पष्ट नहीं है। सशस्त्र पुलिस बल ;एपीएफ के पुलिस उपाधीक्षक एवं सहायक प्रवक्ता शैलेंद्र थापा ने बताया कि दुर्घटनास्थल से 14 शव बरामद किए गए हैं और 16 घायलों को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया है।इससे पहले पुलिस उपाधीक्षक दीपक कुमार राया ने बताया कि नेपाल पुलिस, एपीएफ और स्थानीय लोगों की मदद से बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि दुर्घटनास्थल से कुछ घायल यात्रियों को बचा लिया गया है और बचाव कार्य जारी है। हादसे में बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

वाल्मीकि समाज ने सुप्रीमकोर्ट के निर्णय के समर्थन में निकाली धन्यवाद रैली

अजमेर। राजस्थान में अजमेर में शनिवार को वाल्मीकि समाज ने सुप्रीमकोर्ट के एक अगस्त के फैसले के समर्थन में धन्यवाद रैली निकालकर राज्य सरकार से राज्य में उच्चतम न्यायालय के आदेशानुसार वाल्मीकि समाजए कंजर समाज, सांसी समाज को जनसंख्या के अनुपात में अलग से आरक्षण दिए जाने की मांग की।

अजमेर में वाल्मीकि समाज सेवा संस्थान के अध्यक्ष एवं पूर्व पार्षद श्रवण टोनी के नेतृत्व में धन्यवाद रैली ब्यावर रोड स्थित दयानंद महाविद्यालय से शुरू होकर विभिन्न मार्गों से होती हुई कलेक्टर कार्यालय पहुंची। रैली में बड़ी संख्या में वाल्मीकि समाज के लोगों ने हाथों में बैनर एवं तख्तियां ले रखी थी। जिन पर सुप्रीम कोर्ट जिन्दाबाद.वंचित वर्ग जिन्दाबाद जैसे नारे लिखे थे। रैली में शामिल प्रतिनिधियों ने अतिरिक्त कलक्टर गजेंद्र सिंह राठौड़ को राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर राज्य सरकार से राजस्थान में उच्चतम न्यायालय की अनुपालना में वंचित वर्ग को अलग से आरक्षण दिए जाने की मांग की।

पिकनिक मनाने गए दो युवकों की खारी नदी में डूबने से मौत

भीलवाड़ा। राजस्थान में भीलवाड़ा जिले के शंभुगढ़ थाना क्षेत्र में शुक्रवार को पिकनिक मनाने गए दो युवकों की नदी में डूबने से मौत हो गई।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि आमेसर गांव के चार दोस्त सत्यनारायण भील, हरदेव बलाई, पवन वैष्णव और राजू बलाई पिकनिक मनाने शंभुगढ़ में सगसजी के स्थान के पास खारी नदी गए थे। उन्होंने बताया कि चारों नहाने के लिए नदी में उतर गये उसी दौरान पवन और राजू नदी में कुएं की ओर चले गए। सिंह ने बताया कि उन्हें तैरना नहीं आता था जिससे वे कुएं में डूब गए जबकि सत्यनारायण और हरदेव तैरकर नदी से बाहर निकल आए। इसकी जानकारी मिलते ही आस.पास मौजूद लोग मौके पर पहुंच गए और उन्होंने किसी तरह राजू बलाई को ढूंढ निकाला। राजू को तत्काल शंभुगढ़ अस्पताल भिजवा दिया गयाए जहां चिकित्सकों ने उसेमृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव शहगृह में सुरक्षित रखवाया है। वहीं पवन की तलाश की जा रही है। मौके पर राज्य आपदा राहत बल ;एसडीआरएफ को बुलवाया गया है।

दो कारों की टक्कर से तीन लोगों की मौत एक घायल

बीकानेर। बीकानेर जिले के नोखा थाना क्षेत्र में शुक्रवार को दो कारों की टक्कर से तीन लोगों की मौत हो गयी जबकि एक अन्य घायल हो गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार रासीसर के पास भारतमाला रोड पर मध्याह्न करीब 12 बजे दो कारें टकरा गयीं। इससे तीन लोगों की मौत हो गई जबकि एक घायल हो गया। उसे पीबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है।पुलिस ने बताया कि मृतकों में एक का नाम ओम प्रकाश है जबकि दो की शिनाख्त नहीं हुई है। तीनों मृतक रासीसर के ही बताए जा रहे हैं।

आदर्श विद्या निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय में जन्माष्टमी महोत्सव

अपने कान्हा को योगेश्वर कृष्ण बनाने का संकल्प लें माताएं – भूपेन्द्र उबाना

अजमेर। प्रत्येक मां अपनी संतान को प्यार से कान्हा कहना पसंद करती है यह स्वाभाविक भी है क्योंकि श्रीकृष्ण का नटखट बाल स्वरूप प्रत्येक मां के मन को मोहित करता हैं। लेकिन अपने कान्हा को अपने लाड़.प्यार के साथ ही संस्कारों और जीवन मूल्यों की शिक्षा से युक्त करके समाज के सामने योगेश्वर स्वरूप में प्रस्तुत करने का संकल्प भी माताओं को धारण करना चाहिए। यह समय की मांग है।यह विचार शनिवार को पुष्कर रोड स्थित आदर्श विद्या निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय के शिशुवाटिका विभाग की ओर से आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव में प्रधानाचार्य भूपेंद्र उबाना ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण की चर्चा केवल रास और उनके मनमोहक बाल स्वरूप तक सीमित न रखकर कुरुक्षेत्र के मैदान में उनके विराट योगेश्वर कृष्ण तक अपने बच्चों के सामने उनकी उम्र के साथ बढ़ते हुए क्रम में होनी चाहिए। शिशु वाटिका प्रभारी रामज़ोत बोराणा ने बताया की जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में आयोजित इस महोत्सव में श्रीकृष्ण के जीवन से संबंधित 8 झांकियां सजाई गईं जिनका दर्शन सभी बच्चों को करवाते हुए उन्हें उससे संबंधित कहानी सुनाई गई और बाद में संबंधित प्रश्न पूछकर सही बताने वाले बच्चों को पुरस्कार दिया गया।इसी के साथ ही श्रीकृष्ण राधा बनो प्रतियोगिता भी संपन्न हुई जिसमें कृष्ण के रूप में भैया माधवन प्रथम और अरूण की बहिन आराध्या द्वितीय रहीं वहीं राधा स्वरूप में बहिन लक्षिता प्रथम और बहिन मृणाल द्वितीय रही। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया साथ ही सभी प्रतिभागियों को उपहार दिए गए। कार्यक्रम का संचालन पिंकी प्रजापति ने किया। झांकियों के निर्माण हर्षिता माहेश्वरीए प्रतिभा जीनगर तथा मनीषा आडवाणी का सहयोग रहा। कार्यक्रम के अंत में सभी ने कुंज बिहारी जी आरती की।

रेलवे अजमेर मण्डल के सभी UTS व PRS काउंटर पर क्यूआर कोड डिवाइस स्थापित

अजमेर। आत्मनिर्भर बनने की दिशा में भारतीय रेलवे डिजिटल इंडिया की तरफ सराहनीय कदम उठा रहा है। इसी क्रम में अजमेर मण्डल ने सभी यूटीएस एवं पीआरएस काउंटर पर क्यूआर कोड डिवाइस स्थापना में सफ्लता अर्जित की है अर्थात आरक्षित व अनारक्षित दोनों प्रकार के टिकट के भुगतान हेतु क्यूआर कोड की सुविधा अजमेर मण्डल पर प्रारंभ कर दी गई है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सुनील कुमार महला के अनुसार मण्डल के प्रमुख ब्रॉड गेज खंड अजमेर-पालनपुर व अजमेर- उदयपुर.हिम्मतनगर पर स्थित स्टेशनों पर क्यूआर कोड से टिकट का भुगतान की सुविधा प्रारंभ कर दी गई है। इससे यात्रियों के लिए भुगतान के

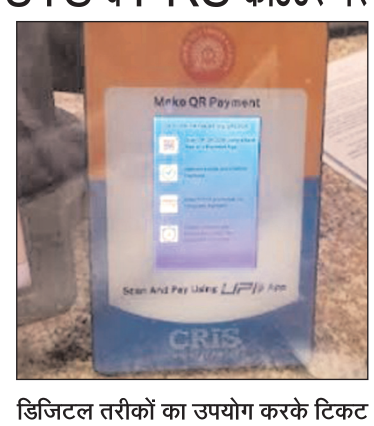

डिजिटल तरीकों का उपयोग करके टिकट खरीदना सुविधाजनक हो गया है।

यात्री अब आसानी से क्यूआर कोड को स्कैन कर मोबाइल फोन का उपयोग करके भुगतान कर सकते हैं जिससे टिकट खरीदने की प्रक्रिया आसान और अधिक कुशल हो गई है। इससे न केवल टिकट खिड़की पर भीड़ से छुटकारा मिलेगा अपितु डिजिटल पेमेंट होने यात्रियों को खुले पैसे की परेशानी से भी निजात मिलेगी। इसके साथ ही टिकट काउंटर पर मौजूद कर्मचारी का कैश मिलाने में लगने वाले समय भी बचेगा। डिजिटल पेमेंट के जरिए कम समय में लोगों को टिकट मिलेगा जो कि पूरी तरह से ट्रांसपरेंसी को भी बढ़ावा देगा। उल्लेखनीय है कि उत्तर पश्चिम रेलवे डायनामिक क्यूआर कोड कमिशनिंग में सम्पूर्ण भारतीय रेलवे में प्रथम स्थान पर है। उत्तर पश्चिम रेलवे पर 437 से अधिक लोकेशनों पर डिजिटल भुगतान हेतु डायनामिक क्यूआर कोड कमिशनिंग कर का लक्ष्य पूरा कर लिया गया है।

अजमेर के कांग्रेसजनों ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से की मुलाकात

अजमेर। अजमेर के कांग्रेसजनों ने आरटीडीसी के पूर्व चैयरमेन धर्मेंद्र राठौड़ के नेतृत्व में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से उनके सिविल लाइन जयपुर स्थित निवास पर मुलाकात की तथा सूत की माला पहनाकर उनका स्वागत किया।

उनके स्वास्थ्य के बारे में कुशलक्षेम पूछी। उल्लेखनीय है कि गहलोत स्वास्थ्य संबधी कारणों से लगभग 2 माह से निवास स्थान पर ही आराम कर रहे है। स्वास्थ्य में आराम के बाद अब उन्होंने मिलना जुलना प्रारंभ किया है। अशोक गहलोत ने उनसे मिलने गये अजमेर के कांग्रेसजनों से आत्मीयता से मुलाकात की। गहलोत से मुलाकात करने वाले कांग्रेसजनों में अजमेर दक्षिण से कांग्रेस प्रत्याशी रही द्रोपदी कोली, शहर कांग्रेस महासचिव पार्षद नौरत गुर्जर, अजमेर उत्तर के ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व पार्षद शैलेंद्र अग्रवाल,वाहिद मोहम्मद,पूर्व पार्षद सर्वेश पारीक, गणेश चौहान, पार्षद लक्ष्मी बुंदेल, हरि प्रसाद जाटव, निर्मल पारीक, शमसुद्दीन, अज़हर पठान, शेख अमीरुद्दीन व मोक्ष आदि कांग्रेसजन शामिल थे।

CEEW-Villgro's Powering Livelihoods Programme to Provide INR 1 Crore Funding to Six New Cleantech Enterprises

The Powering Livelihoods programme has committed approximately INR 1 crore in funding to scale up new cleantech innovations in the DRE sector. The programme has on-boarded six new DRE innovators while continuing to support 11 others. The programme, spearheaded by the leading think tank Council on Energy, Environment and Water (CEEW) and Villgro, one of India's oldest and largest social enterprise incubators, has supported adopting cleantech solutions to transform rural livelihoods. Some examples of these technologies include solar refrigerators, food processing machines, solar-powered reeling and spinning machines, biomass cold storage, and solar dryers.

Renewable energy-powered innovations enabling women entrepreneurs to start micro businessesThe six newly onboarded enterprises – Temperate Technologies,

Takachar, Jaljeevika InfoTech, Saptkrishi Scientific, SEMA and Oscillo Machines – will receive support from the newly created funding pool for scaling their innovations. These DRE solutions enhance productivity and promote local production and value addition in the fisheries, grain processing, and crop residue management sectors to positively impact rural livelihoods.

देश के सबसे बड़े अश्लील छायाचित्र ब्लैकमेल कांड में 6 को उम्रकैद

7 में से 6 आरोपियों को कोर्ट ने उम्रकैद की सजा

अजमेर। देश के सबसे बड़े सेक्स स्कैंडल अजमेर के बहुचर्चित अश्लील छायाचित्र ब्लैकमेल कांड के बाकी बचे 7 में से 6 आरोपियों को कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। आरोपी खादिम नफीस चिश्ती, नसीम उर्फ टार्जन, सलीम चिश्ती, इकबाल भाटी, सोहिल गणी, सैयदजमीर हुसैन को कोर्ट ने दोषी माना है। न्यायालय ने सभी को आजीवन कारावास और 5.5 लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। पोक्सो विशेष कोर्ट संख्या 2 ने यह फैसला सुनाया है। इससे पहले कोर्ट ने सभी 6 लोगों को दोषी माना था। इससे पहले 6 अगस्त को फैसला आना था लेकिन एक आरोपी के कोर्ट से अनुपस्थित रहने पर मामले की सुनवाई 20 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी गई थी।भैरोसिंह शेखावत के मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान साल 1992 में अजमेर में 100 से ज्यादा कॉलेज गर्ल्स के साथ गैंगरेप और उनकी न्यूड फोटो सर्कुलेट होने पर तहलका मच गया था। मामले में 18 आरोपी थे। 9 को सजा हुई थी। एक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली जबकि एक खादिम अमरीका भाग गया। अभियोजन विभाग में उपनिदेशक विक्रम सिंह राठौड़ ने बताया कि दरगाह क्षेत्र निवासी नफीस चिश्ती, सलीम चिश्तीए सौहेल गनी, जमील चिश्ती और मुंबई निवासी इकबाल भाटी और इलाहाबाद निवासी नसीम उर्फ टार्जन के विरुद्ध पॉक्सो प्रकरण की विशिष्ट न्यायालय संख्या 2 में चल रहे मुकदमे में फैसला आया है। 1992 में अश्लील छायाचित्र ब्लैकमेल कांड के मामले में अनवर चिश्ती, फारूख चिश्ती,परवेज अंसारी, मोइनुल्ला उर्फ पुत्तन इलाहाबादी, इशरत उर्फलल्ली कैलाश सोनी, महेश लुधानी, शमशु चिश्ती उर्फ मेंराडोना और नसीम उर्फ टार्जन को गिरफ्तार किया था।जमानत मिलने के बाद टार्जन फरार हो गया था। इसके बाद इलाहाबाद के एक प्रकरण में गिरफ्तार होने पर उसके खिलाफ अलग से सुनवाई हुई थी। जबकि शेष आरोपियों को वर्ष 1998 में सेशन न्यायालय से उम्र कैद की सजा हो गई थी। जिसकी अपील करने पर हाईकोर्ट ने चार आरोपियों की सजा घटकर 10 वर्ष कर दी थी। जबकि अन्य चार आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया था। इस आदेश की सुप्रीम कोर्ट में अपील होने पर अदालत ने आरोपियों की भुगती हुई सजा छोड़ने का निर्णय लिया था।

यह था अजमेर का ब्लैकमेल कांड

अजमेर में यूथ कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष फारुख चिश्ती उसका साथी नफीस चिश्ती और उसके गुर्गे स्कूल और कॉलेज की लड़कियों को शिकार बनाते थे। फर्महाउस और रेस्टोरेंट में पार्टियों के नाम पर छात्राओं को बुलाकर उन्हें नशीला पदार्थ पिलाकर सामूहिक दुराचार किया जाता और उनके अश्लील फोटो खींच लिए जाते। इन अश्लील फोटो के आधार पर लड़कियों से अन्य लड़कियों को लाने के लिए मजबूर किया जाता। यानी एक शिकार से दूसरे शिकार को फंसाया जाता था।

कुछ लड़कियों ने दिखाई हिम्मत

प्रकरण दर्ज होने से पहले कुछ लड़कियां हिम्मत कर बयान देने पुलिस के पास भी गई थी लेकिन पुलिस ने उन पीड़िताओं के सिर्फ बयान लेकर चलता कर दिया था। बाद में उन पीड़िताओं को धमकियां मिलती रहीं। लिहाजा वे दोबारा पुलिस के सामने आने की हिम्मत नहीं जुटा पाई। इसके बाद लोक लज्जा के डर से कोई सामने आकर पुलिस में शिकायत करने को तैयार नहीं थी। बाद में 18 पीड़िताओं ने आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में बयान दिए।

समाचार भेजने और विज्ञापन हेतु व किसी अन्य जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-

मो. +91 9887907277, 7737385114

Email ID sabgu-runews@gmail.com

अजमेर-6/12बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील अजमेर 305001, राज.

जयपुर-D8, गोवर्धन कॉलोनी मोहन मार्ग, विवेक विहार मेट्रो स्टेशन के पास जयपुर 302019, राज.

समान स्कूल व्यवस्था पर परिचर्चा का आयोजन

अजमेर। सेन्टर फॉर लेबर रिसर्च एण्ड एक्शन एवं राइट टू एजुकेशन फोरम राजस्थान की ओर से रोयल मिलान्ज होटल में वंचित वर्ग के बच्चों की शिक्षा और समान स्कूल व्यवस्था पर परिचर्चा हुई। चर्चा में शिक्षा विभाग, शिक्षक संघ, ट्रेड यूनियन और गैर सरकारी संस्थाओं के लगभग 50 साथियों ने भाग लिया। संभागियो ने स्वीकार किया कि अब तक शिक्षा से वंचित समुदाय के बच्चों के लिए समान स्कूल व्यवस्था ही एकमात्र विकल्प है। ये एक जनांदोलन से ही संभव हो सकता। अजमेर संभाग के सभी जिलों में इस विषय पर अगले तीन माह में बैठक आयोजित करने की जिम्मेदारी अलग अलग संस्थाओं ने ली।

एनपीएस की जगह आई नई पेंशन योजना यूपीएस

नई दिल्ली। सरकार ने वर्ष 2004 के बाद सेवा में आने वाले केन्द्रीय कर्मचारियों के लिए लागू नई पेंशन योजना;एनपीएस के विकल्प के रूप में शनिवार को एक नई एकीकृत पेंशन योजना ;यूपीएस लाने का फैसला किया है जिसमें कर्मचारियों को सेवानिवृत्त के बाद आखिरी वेतन की करीब 50 प्रतिशत सुनिश्चित पेंशन मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल की शनिवार को हुई बैठक में इस महत्वपूर्ण प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। रेल, सूचना प्रसारण एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं को मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी दी। उनके साथ भावी कैबिनेट सचिव टी वी सोमनाथन भी थे जिन्होंने यूपीएस को तैयार करने में केन्द्रीय भूमिका निभाई थी। एकीकृत पेंशन योजना एक अप्रैल 2025 से लागू होगी। वैष्णव ने कहा कि यूपीएस में कर्मचारी को 25 वर्ष की सेवा के बाद आखिरी वर्ष के औसत वेतन के 50 प्रतिशत के बराबर पेंशन मिलेगी। यूपीएस के लिए कर्मचारियों के अंशदान को एनपीएस की मौजूदा व्यवस्था के 10 प्रतिशत के बराबर ही रखा गया है जबकि सरकार ने अपने अंशदान को 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 18.5 प्रतिशत करने का निर्णय लिया है।

इस पेंशन योजना में पारिवारिक पेंशनए गारंटी शुदा न्यूनतम पेंशन और सेवानिवृत्ति के बाद एकमुश्त भुगतान के भी प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यूपीएस लागू करने से एरियर के रूप में चालू वित्त वर्ष में सरकार को करीब 800 करोड़ रुपए व्यय करने पड़ेंगे जबकि यूपीएस के लिए लगभग 6250 करोड़ रुपए खर्च होंगे। वैष्णव ने कहा कि इससे केन्द्र सरकार के 30 लाख से अधिक कर्मचारियों को लाभ होगा और और राज्य

सरकारें यूपीएस को लागू करती हैं तो कुल 90 लाख कर्मचारियों को इसका फायदा हो सकेगा। इस योजना से आने वाली पीढ़ियों पर पुरानी पेंशन योजना की भांति कोई वित्तीय भार नहीं पड़ेगा क्योंकि पुरानी पेंशन योजना में कर्मचारियों का कोई योगदान नहीं होता था।उन्होंने कहा कि 2004 के बाद सेवा में आने वाले जितने कर्मचारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं या एक अप्रैल 2025 तक सेवानिवृत्त होंगे उन्हें भी इस विकल्प को चुनने का अवसर मिलेगा। ऐसे सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनके सेवानिवृत्ति लाभों की पुनः गणना करके बकाया का ब्याज़ सहित भुगतान किया जाएगा। यूपीएस की खूबियां गिनाते हुए सोमनाथ ने कहा कि अगर किसी कर्मचारी ने न्यूनतम 25 साल तक काम किया तो सेवानिवृत्ति के तुरंत पहले के अंतिम 12 महीने के औसत मूल वेतन का कम से कम 50 प्रतिशत पेंशन के रूप में मिलेगा। इसके साथ महंगाई राहत डीआर उसी दर से मिलेगा जिस पर महंगाई भत्ता मिलता है। इस प्रकार से पुरानी पेंशन योजना के तहत मिलने वाली पेंशन के अनुपात में ही कुल वेतन की आधी पेंशन यूपीएस में मिला करेगी।

उन्होंने कहा कि यूपीएस में भी सेवानिवृत्त कर्मचारी को सेवारत कर्मचारी की भांति महंगाई इंडेक्सेशन का लाभ मिलेगा। इसी तरह से अगर किसी पेंशनभोगी को मौत होती है तो उसके परिवार को मृत्यु के वक्त मृतक को मिलने वाली पेंशन का 60 प्रतिशत परिवार को मिलेगा। इस पर डीआर भी 60 प्रतिशत दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर न्यूनतम 10 साल की नौकरी के बाद कोई नौकरी छोड़ता है तो कम से कम दस हजार रुपए पेंशन मिलेगी। अधिक नौकरी वाले को उसी अनुपात में अधिक पेंशन मिलेगी। उन्होंने कहा कि यूपीएस के तहत रिटायरमेंट पर ग्रेच्युटी की राशि के अलावा एक और एकमुश्त राशि से अलग से मिलेगी। यह राशि सेवाकाल में हर छह महीने की सेवा के बदले एक माह के मासिक वेतन ;वेतन्डीए का दसवां हिस्सा जुड़ कर सेवानिवृत्ति पर मिलेगा।वैष्णव ने कहा कि यह योजना पूर्ण रूप से वित्तीय व्यवस्था के साथ लागू की जा रही है। यह कांग्रेस शासित कुछ राज्यों की योजनाओं के तहत कोई खोखला वादा नहीं है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को एनपीएस से यूपीएस से चुनने का विकल्प केवल एक बार के लिए होगा।

वैष्णव ने कहा कि यह योजना कर्मचारियों की यूनियनों और विशेषज्ञ संस्थाओं के साथ पूरे विचार.विमर्श के साथ लाई गईहै। उन्होंने कहा कि कैबिनेट की बैठक के बाद प्रधानमंत्री ने कर्मचारी यूनियनों के प्रतिनिधियों की मुलाकात हुई है और सभी ने इस योजना की सराहना की और प्रधानमंत्री मोदी के प्रति आभार प्रकट किया है।उल्लेखनीय है कि सरकारी कर्मचारियों के लिए एनपीएस एक चुनावी मुद्दा बन गया थाए कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने पिछले कुछ चुनावों के दौरान इस योजना को खत्म कर पुरानी योजना लागू करने का वादा किया था। एक प्रश्न के उत्तर में वैष्णव ने स्पष्ट किया कि एनपीएस और यूपीएस दोनों ही में कर्मचारियों का अंशदान शामिल होगा। यूपीएस में सरकारी कर्मचारियों को अपनी ओर से कोई अतिरिक्त अंशदान नहीं करना पड़ेगा। इसमें केवल सरकार का अंशदान बढ़ाया जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक विजय सिंह ने मुद्रक किशन गुप्ता द्वारा इंडिया ऑफसेट प्रिंटर्स 419 ब्रह्मपुरी, जयपुर रोड से मुद्रित करवाकर कार्यालय 6/12 बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील, अजमेर (राज.) से प्रकाशित किया। सम्पादक- विजय सिंह मो. 9887907277 (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अजमेर रहेगा)